खाटू धाम जाने से | By Megha Parsai

टूटी लकीरें भी हो हाथों में
तो संवरती हैं तक़दीर खाटू धाम जाने से

डगमग डगमग नैया डोले माझी बनकर श्याम चले
भव से पार जो नैया हो बाबा श्याम खिवैया हो
बिगड़ी हो किस्मत भी कभी
तो बनती है तक़दीर फागुन मेले जाने से
तो संवरती हैं तक़दीर खाटू धाम जाने से

हारे का तू सहारा है तेरे बिन कौन हमारा है
हर संकट से बाबा तूने हम भक्तों को उबारा है
महिमा ऐसी नाम की
तो बनती है तक़दीर ग्यारस पे खाटू जाने से
तो संवरती हैं तक़दीर खाटू धाम जाने से

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%a7%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%9c%e0%a4%be%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%b8%e0%a5%87-by-megha-parsa/